as the various suggestions are still being discussed in the I.M.F. and other forums. It is too early, therefore, to say what effect these schemes will have on India's international monetary commitments.

एशियाई विकास बैंक

315. श्री सिद्धेश्वर प्रसाद : क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या एशियाई विकास बैंक ने कार्य करना प्रारम्भ कर दिया है;

(ख) यदि हां, तो बैंक ने अब तक कितना कार्य किया है; और

(ग) यदि नहीं, तो विलम्ब के क्या कारण हैं ?

उप-प्रधान मंत्री तथा वित्त मंत्री (श्री मोरारजी देसाई) : (क) से (ग). एशियाई विकास बैंक के गवर्नरों के बोर्ड की पहली बैठक, 24 नवम्बर से 26 नवम्बर, 1966 तक टोकियो में हुई और मनीला, फिलिपीन, में 19 दिसम्बर, 1966 को बैंक का, कारबार के लिए, औपचारिक रूप से उद्घाटन किया गया । इसलिए, बैंक अपनी प्रारंभिक अवस्था में है, और यह मुख्य रूप से अपने संगठनात्मक ढांचे को अन्तिम रूप देने, व्यावसायिक कर्मचारियों की भरती करने, प्रक्रिया सम्बन्धी नियम बनाने तथा कुछ नीति सम्बन्धी मामलों पर विचार करने आदि के काम में लगा हुआ है ।

अफीम की खेती

316. श्री राम सेवक यादव :
श्री महाराज सिंह भारती :
श्री जार्ज फरनेन्डीज :
श्री मौलाहू प्रसाद :
श्री मधु लिमये :
श्री रबी राय :

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में राज्यवार कितनी भूमि में अफीम की खेती होती है;

(ख) क्या देश में अफीम की खेती बढ़ रही है; और

(ग) इस वर्ष अब तक कितनी अफीम का उत्पादन हुआ है ?

उप-प्रधान मंत्री तथा वित्त मंत्री (श्री मोरारजी देसाई) : (क) 1966–67 की फसल में देश में की गई पोस्त की कुल खेती के रकबे के राज्यवार आंकड़े निम्नलिखित हैं :

राज्य का नाम		पोस्त की खेती रकबा (हेक्टेयरों में)
उत्तर प्रदेश	.	3,499
मध्य प्रदेश	.	6,506
राजस्थान	.	4,208
		14,213

(ख) पोस्त की खेती में 1962–63 से लगाकर कमी ही होती जा रही है, सिर्फ 1966–67 में जब कच्चे अफीम के निर्यात सम्बन्धी दायित्वों को पूरा करने के लिए कुछ अधिक खेती की इजाजत दी गई थी ।

1966–67 को समाप्त छ: वर्षों के तुलनात्मक आंकड़े इस प्रकार हैं —

वर्ष	पोस्त की खेती का रकबा (हेक्टेयरों में)
1961–62	44,583
1962–63	25,787
1963–64	21,066
1964–65	18,894
1965–66	12,064
1966–67	14,213

(ग) इस वर्ष अफीम के उत्पादन का अनुमान 70 डिग्री घनत्व पर 4,70,000 किलो का है।

Seizure of smuggled Gold

317. Shri George Fernandes:
Shri S. M. Joshi:
Shri Madhu Limaye:
Shri J. H. Patel:
Shri S. M. Banerjee:

Will the Minister of **Finance** be pleased to state:

(a) the total quantity of contraband gold seized by the Customs and other Government agencies during the last five years;

(b) the value thereof at Indian and International prices;

(c) how this gold is disposed of; and

(d) whether there have been cases of misappropriation of the gold seized by certain officials?

The Deputy Prime Minister and Minister of Finance (Shri Morarji Desai): (a) The total quantity of contraband gold seized by the Customs and Central Excise authorities during the years 1962, 1963, 1964, 1965 and first half-year of 1966 is 9929 kgms. The information in respect of the second half-year of 1966 is being collected and will be laid on the Table of the Sabha.

(b) The value of the gold mentioned in (a) above at international rate is Rs. 532 lakhs (approx.). The market value of this gold is Rs. 1169 lakhs (approx.).

(c) Gold after confiscation is deposited in the Government mint.

(d) No case of misappropriation of the gold seized has come to the notice of the Government.

Accommodation for Homeless

318. Shri George Fernandes:
Shri S. M. Joshi:
Shri Madhu Limaye:
Shri J. H. Patel:
Shri Yashpal Singh:
Shri S. C. Samanta:
Shri Sidheshwar Prasad:

Will the Minister of **Works, Housing and Supply** be pleased to state:

(a) the number of houses needed to house the people who are either homeless or live in slums, dilapidated buildings, hutments and substandard houses;

(b) the number of houses which are being built annually by the Housing Boards, private and public sector employers to house their employees and by landlords; and

(c) whether Government are considering any proposal to start a lottery to find resources for housing construction?

The Deputy Minister in the Ministry of Works, Housing and Supply (Shri Iqbal Singh): (a) The shortage of houses in urban areas in April, 1966,